

उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश, जबलपुर
// ज्ञापन //

क्रमांक B/4608 / दो-15-28/87

जबलपुर, दिनांक 25/11/2020

प्रति,

समस्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
मध्यप्रदेश।

विषय:- म.प्र. न्यायिक सेवा के अधिकारियों को एल.एल.एम की उपाधि धारण किये जाने के
फलस्वरूप वेतन वृद्धि स्वीकृति किये जाने बावत्।

—000—

प्रायः देखने में आ रहा है कि, विभिन्न जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा उनकी स्थापना
में पदस्थ म.प्र. न्यायिक सेवा के अधिकारियों को एल.एल.एम की उपाधि धारण किये जाने के
फलस्वरूप तीन अग्रिम वेतनवृद्धियाँ स्वीकृत किये जाने हेतु आवेदन पत्र आवश्यक कार्यवाही
हेतु रजिस्ट्री को प्रेषित किये जा रहे हैं।

चूंकि म.प्र. न्यायिक सेवा के अधिकारियों की सेवा पुस्तिका उनकी वर्तमान पदस्थापना
में संधारित की जाती है तथा वेतनवृद्धि स्वीकृत संबंधी कार्यवाही भी आपकी स्थापना द्वारा ही
की जाती है।

अतः समस्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश से अनुरोध है कि, आपकी स्थापना में कार्यरत
म.प्र. न्यायिक सेवा के अधिकारियों को एल.एल.एम की उपाधि धारण करने तथा रजिस्ट्री द्वारा
उन्हें स्थायीकरण संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने के फलस्वरूप नियमानुसार तीन अग्रिम
वेतनवृद्धियाँ स्वीकृत किये जाने संबंधी कार्यवाही आपके कार्यालय द्वारा की जावेगी।

संलग्न:- म.प्र. शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, भोपाल
के आदेश दिनांक 15.01.2010 की छायाप्रति।

*13/1672
11.11.2020*
(अजय पवार)
रजिस्ट्रार (एम)

मध्यप्रदेश शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग

आदेश

भोपाल, दिनांक 15.1.2010

फॉकमांक 3(ए)19/2003/21-ब(एक), राज्य भारत, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट्रिवीशन (सिविल) कमांक 1022/89 ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन एवं अन्य विलद्ध भारत सरकार एवं अन्य में, दिनांक 21 फरवरी, 2006 का दिए गए निर्देशों के परिपालन में; ऐसे न्यायिक अधिकारी, जिन्होंने विधि में स्नातकोत्तर डिग्री एल0एल0एम0 की उपाधि धारण की हो, को दिनांक 1.12.2009 से 3 अगस्त देतन वृद्धियां प्रदान करने की स्थीकृति प्रदान करता है।

उक्त आदेश वित्त विभाग के यू0ओ0कमांक 2326/09/नि/ चार, दिनांक 12.1.2010 द्वारा प्रदान की गई स्थीकृति के आनंद में जारी किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम
से तथा आदेशानुसार,

(एन0 के० गुप्ता)

प्रमुख सचिव,

मध्यप्रदेश शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग,

पू0क0 3(ए)19/2003/21-ब(एक), भोपाल, दिनांक 15जन०, 2010

प्रतिलिपि:-

1. याचिका के प्रभारी अधिकारी सचिव, म0 प्र० शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, भोपाल की ओर प्रेषित। कृपया पलन प्रतिवेदन नानीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।
2. प्रमुख सचिव, म0 प्र० शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय भोपाल रजिस्ट्रार जनरल, म0 प्र० उच्च न्यायालय, जबलपुर
3. प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, म0 प्र० उच्च न्यायालय, खाड़पीठ, दौर / रवालियर
4. प्रमुख सचिव, म0 प्र० शासन, गृह विभाग, मंत्रालय, भोपाल.
5. प्रमुख सचिव, म0 प्र० शासन, लोक निर्माण विभाग, मंत्रालय, भोपाल.
6. प्रमुख सचिव, म0 प्र० शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल.
7. प्रमुख सचिव, म0 प्र० शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल.
8. प्रमुख सचिव, म0 प्र० शासन, राष्ट्रीय एवं जागरिक आपूर्ति विभाग, मंत्रालय, भोपाल.

.....2/-

9. प्रमुख सचिव, म० प्र० शासन, भार्मिक न्यास एवं धर्मस्थ विभ
मंत्रालय, भोपाल।

10. प्रमुख सचिव, म० प्र० शासन, उर्जा विभाग, मंत्रालय, भोपाल।

11. प्रमुख सचिव, म० प्र० शासन, गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग, मंत्रालय, भोपाल।

12. प्रमुख सचिव, म० प्र० शासन, परिवहन विभाग, मंत्रालय, भोपाल।

13. प्रमुख सचिव, म० प्र० शासन, संचालक, विभाग, मंत्रालय, भोपाल।

14. सचिव, म० प्र० लोकायुक्त कार्यालय, भोपाल।

15. रजिस्ट्रार, कल्याण आयुदग, मंत्रालय गैस ब्रास्ट, भोपाल।

16. संचालक, चिकित्सा शिक्षा, म० प्र० शासन, सतपुड़ा भवन, भोपाल। और समर्थित कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

17. संचालक, लोक अभियोजन, संचालनालय, भोपाल।

18. रजिस्ट्रार, न्यायिक अकादमी, भोपाल।

19. रजिस्ट्रार, माध्यस्थम, अधिकरण, भोपाल।

20. रजिस्ट्रार, नेरनल ला. इंटीलूट यूनिवर्सिटी भोपाल।

21. रजिस्ट्रार, म०प्र० राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिवेषण उपायी भोपाल।

22. अध्यक्ष, म० प्र० न्यायाधीश संघ जिल न्यायाधीश उपर्युक्त रैर।

23. महालेखाकार, म० प्र०, गवालियर।

24. समस्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश।

25. समस्त कोषाल अधिकारी, मध्य विभाग।

26. सचिव राज्यपाल सचिवालय, भोपाल।

27. रजिस्ट्रार भानव अधिकारी आद्याग, भोपाल।

28. संचालक, दोरधा एवं वेशन, भोपाल।

29. आयुर्वेद, विभाग यजांच, त्रितीय तल भावान द्वय, भोपाल।

30. रसायन जारीकरण, प्रमुख विवर, म० प्र० भावान द्वय, प्र० एस भोपाल।

31. सचिव, राज्य विधिक सेवा अधिकरण, जयलपुर।

32. पीठासीन अधिकारी, न्याय विभाग यद्यपि योई, कोहेफिजा, भोपाल।

33. स्थापना शाखा, विधि और दिवागी कार्य विभाग, भोपाल।

(३० के० वैद्य)

सचिव, मध्यप्रदेश शासन, विधि और विधानी वर्ग में

कार्यालय जिला उच्च सत्र न्यायाधीश, रीधी (T. A.)

पृष्ठावर्ण छमांड / लेखापाल / १०
प्रतिलिपि - यथा! निर्देशित

- प्रतिलिपि - यथा :

 - ✓ विश्वाप रामाश्रमा, गोवा।
 - प्रथम / हितीय / वृत्तिय / वर्त्तिय के द्वारा दिए गए अनुभावों का समावेश है।
 - मुख्य ज्ञानिक मन्त्रिस्थान, रायपुर।
 - प्रथम / छिंताय / चत्तीय / चतुर्थी इत्यादि विभिन्न विधानों के द्वारा दिए गए अनुभावों का समावेश है।
 - प्रथम सिविल जज वर्मा - रायपुर के द्वारा दिए गए अनुभावों का समावेश है।
 - सिविल जज वर्मा - रायपुर के द्वारा दिए गए अनुभावों का समावेश है।
 - प्रस्तुतकार जितन रामाश्रमा द्वारा दिए गए अनुभावों का समावेश है।
 - कौं आर बुलडोग द्वारा दिए गए अनुभावों का समावेश है।

दिनांक : 15/12/2011

प्राप्त विवरणों के बारे में जानकारी :

साहित्यिक
विविल कोट